।। श्री अग्रसेन जयते ।।

महाराजा अग्रसेन धाम का मुखपत्र

त्रैमासिक संस्करण

अग्रकिरण



गर्ग
गोयल
जिंदल
बंसल
मित्तल
मंगल
ऐरन
मधुकुल
कच्छल

तिंगल
बिंदल
तायल
सिंघल
नांगल
भंदल
धारण
कंसल
गोयन

July-September 2025

महाराजा अग्रसेन धाम में शीघ्र ही अग्रकुल देवी माँ लक्ष्मी
का मंदिर अपने भव्य स्वरुप में साकार होने जा रहा है।



महाराजा अग्रसेन



महाराजा अग्रसेन जी भारतीय इतिहास के उन महान राजाओं में से एक हैं, जिन्होंने समाज में समानता, उद्यमशीलता और परोपकार की भावना को स्थापित किया। भगवान श्रीराम के वंशज में, उन्होंने लगभग 5300 वर्ष पूर्व अश्विन शुक्ल एकम को जन्म लिया था। हम प्रत्येक वर्ष इसी दिन उनका जन्मोत्सव मनाते हैं। महाराजा अग्रसेन ने अपने जीवन में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए क्षत्रिय धर्म को त्याग दिया और वैश्य धर्म को अपनाया।

महाराजा अग्रसेन ने घोर तपस्या की, तब माता लक्ष्मी ने उन्हें दर्शन दिए और वरदान दिया कि उनकी संतानें समृद्ध और धन-धान्य से परिपूर्ण रहेंगी। इसी कारण, उन्होंने अपने राज्य में व्यापार और सेवा को प्राथमिकता दी और अपनी प्रजा को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने "एक ईंट, एक सिक्का" की नीति की शुरुआत की, जिसके तहत प्रत्येक नए परिवार को बसने के लिए एक ईंट घर बनाने के लिए और एक सिक्का व्यवसाय शुरू करने के लिए दिया जाता था। यह नीति उनके समाजवाद और परोपकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जो आज भी अग्रवाल समाज की पहचान बनी हुई है।

महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवाल समाज के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने एक ऐसे समाज की नींव रखी जो समानता, भाईचारे और आर्थिक स्वतंत्रता पर आधारित था। आज भी उनके सिद्धांत शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और समाज सेवा के क्षेत्र में लोगों को प्रेरित करते हैं। उनके आदर्श हमें यह सिखाते हैं कि एक सशक्त समाज की नींव परोपकार, समानता और उद्यमशीलता पर आधारित होनी चाहिए। महाराजा अग्रसेन जी की शिक्षाएँ हमें सदैव प्रेरित करती रहेंगी कि हम भी समाज में एक सकारात्मक बदलाव लाने के लिए कार्यरत रहें।

ऊँचाई से नज़र आने वाला महाराजा अग्रसेन धाम,
मानो धरती पर विराजमान एक दिव्य तीर्थस्थल हो।





परिचय

महाराजा अग्रसेन धाम पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के बागनान में स्थित है। यह धाम 300 बीघा भूमि पर निर्मित हो रहा है। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों और सिद्धांतों से प्रेरित होकर हमने अग्रसेन धाम के निर्माण का संकल्प लिया। कर्मयोगी स्व. पुष्करलाल केडिया जी और समस्त कोलकाता के अग्रवाल समाज ने महाराजा अग्रसेन धाम के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महाराजा अग्रसेन जी समाज उत्थान के लिए प्रसिद्ध हैं, इसलिए अग्रसेन धाम का उद्देश्य भी समाज उत्थान ही है। इस धाम के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण, स्व-रोजगार और सांस्कृतिक सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। महाराजा अग्रसेन धाम न केवल लोगों के लिए एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह युवाओं और समाज के लिए एक नई प्रेरणा का केंद्र भी है।

महाराजा अग्रसेन अपने समय के एक आदर्श पुरुष और श्रेष्ठ राष्ट्रनायक थे, जिन्होंने क्षत्रिय धर्म का त्याग कर वैश्य धर्म को अपनाया। वे न केवल अग्रवंश के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए भी प्रेरणा के स्रोत हैं। समाज का एक बड़ा वर्ग महाराजा अग्रसेन के इन स्वर्णिम आदर्शों से अनभिज्ञ है, इन्हीं विचारों ने हमें अग्रसेन धाम की स्थापना की प्रेरणा दी ताकि लोग अग्र संस्कृति को और अधिक गहराई से समझ सकें।

ज्ञात इतिहास में, मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के बाद, महाराजा अग्रसेन ने सुदृढ़ लोकतांत्रिक शासन, आदर्श परिवार व्यवस्था, समाजवाद की स्थापना, आत्मोन्नति के लिए अहिंसा, तथा सत्य और सौहार्द के साथ सुव्यवस्थित वैवाहिक जीवन की परंपरा शुरू की। उन्हीं परंपराओं और आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए, उनके वंशजों ने समाज उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए, जैसे कि विद्यालय, महाविद्यालय, अस्पताल, पुस्तकालय, मंदिर और औषधालयों की स्थापना।



प्रवेश द्वार



अग्रसेन महाराज की जय !

माननीय ट्रस्टियों, सहयोगियों, सदस्यों एवं शुभचिंतकों

महाराजा अग्रसेन धाम की सेवायात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है, और इसी उत्साह के साथ हम आपके समक्ष **"अग्रकिरण"** का नया त्रैमासिक (Quarterly) संस्करण — जुलाई से सितंबर 2025 — लेकर उपस्थित हैं। हर माह, हर पहल और हर उपलब्धि में धाम परिवार की सामूहिक भावना झलकती है, और वही ऊर्जा इस पत्रिका को विशेष बनाती है। आपको जोड़ने, प्रेरित करने और हमारी साझा प्रगति को उजागर करने का यह प्रयास अब एक सशक्त परंपरा बन चुका है।

पिछले तीन महीनों की हमारी यात्रा सेवा, शिक्षा और समाजोत्थान के नए आयामों से भरी रही है। चिकित्सा सेवा, दिव्यांग सहयोग और मनोविकास केंद्र से जुड़े कार्यक्रमों ने अनगिनत ज़िंदगियों में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंदों को सहायक उपकरण वितरण तथा विशेष बच्चों के लिए निरंतर थेरेपी सत्र — इन सभी ने हमारे धाम की सेवा भावना को और अधिक सशक्त किया है।

इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है — **महाराजा अग्रसेन धाम UPSC Academy** का औपचारिक शुभारंभ। हमारे युवा वर्ग को सही दिशा, मार्गदर्शन और उच्च स्तरीय तैयारी उपलब्ध करवाने की दृष्टि से यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। UPSC Academy के माध्यम से हम न केवल शैक्षणिक प्रशिक्षण दे रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना से भी सशक्त कर रहे हैं। प्रारंभिक से लेकर मुख्य परीक्षा तक की तैयारी, विशेषज्ञ मेंटर्स, नियमित टेस्ट सीरीज़, अभ्यर्थियों के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन— यह सब इस पहल को विशिष्ट बनाता है। इस संस्करण में आपको इस अकादमी से जुड़े कार्यक्रमों, वर्कशॉप्स और छात्रों की प्रतिक्रियाओं की विशेष जानकारी भी मिलेगी।

इसके अतिरिक्त, हमें यह बताते हुए प्रसन्नता है कि **"महाराजा अग्रसेन धाम ट्रस्टी डायरेक्टरी 2025"** शीघ्र ही प्रकाशित होने जा रही है। यह विशेष डायरेक्टरी केवल हमारे माननीय ट्रस्टियों के लिए तैयार की जा रही है, जिसमें सभी ट्रस्ट सदस्यों के संक्षिप्त विवरण और संपर्क जानकारी शामिल होगी। यह पहल संगठनात्मक समन्वय, पारस्परिक संवाद और भविष्य की योजनाओं को और सुदृढ़ बनाने में सहायक होगी।

आपके निरंतर समर्थन, स्नेह और विश्वास के लिए हम हृदय से आभारी हैं।

ओम जालान
अध्यक्ष
महाराजा अग्रसेन धाम



अग्रसेन महाराज की जय !

सभी को मेरा राम राम !

महाराजा अग्रसेन धाम की त्रैमासिक पत्रिका आपके सामने प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है।

हमारे प्रथम अंक **"अग्रकिरण"** को जो उत्साहवर्धक प्रतिक्रियाएं, प्रेम और सहयोग मिला, उसने यह सिद्ध कर दिया कि हमारा समाज जागरूक है, सेवा के प्रति संवेदनशील है और अपनी विरासत से गहराई से जुड़ा हुआ है।

पिछले तीन महीनों में, धाम ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यों को आगे बढ़ाया।

चाहे वह मेडिकल सेंटर द्वारा निरंतर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ हों, दिव्यांग सहायता केंद्र द्वारा कृत्रिम अंग वितरण हो, या फिर मनोविकास केंद्र में विशेष बच्चों के लिए समर्पित थेरेपी – हर पहल समाज के उत्थान और समावेशी विकास का प्रतीक बनी है।

हमारी वाटिका, कौशल विकास केंद्र, विवाह भवन, महालक्ष्मी मंदिर, गोशाला और आगामी वरिष्ठ नागरिक निकेत, प्राकृतिक चिकित्सालय, योग केंद्र, विद्यालय – यह सभी प्रकल्प सिर्फ संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि हमारी सेवा की चेतना और समर्पण का स्वरूप हैं।

मैं विशेष धन्यवाद देना चाहता हूँ हमारे अध्यक्ष श्री ओम जी जालान एवं कोषाध्यक्ष श्री श्याम सुंदर जी अग्रवाल का, जिनके मार्गदर्शन और अथक प्रयासों से यह सेवा यात्रा साकार रूप ले रही है। साथ ही, हमारे सभी ट्रस्टियों, सदस्यों और शुभचिंतकों को नमन करता हूँ, जो हर पड़ाव पर हमारे साथ मजबूती से खड़े हैं।

हम यह भी साझा करना चाहते हैं कि इस संस्करण के साथ हम और अधिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना चाहते हैं। यदि आपके पास कोई लेख, विचार, संस्मरण, कविता या कोई सामाजिक उपलब्धि है, जो अग्रवाल समाज के हित में हो — तो कृपया हमें आगामी संस्करण हेतु भेजें। यह पत्रिका आपकी आवाज़, आपकी प्रेरणा और आपकी भागीदारी से ही समृद्ध होगी।

हम आपको सादर आमंत्रित करते हैं — आइए, महाराजा अग्रसेन धाम की सदस्यता लें और उस समाज सेवा की धारा से जुड़ें, जो हर जरूरतमंद को सशक्त बनाने का संकल्प लिए आगे बढ़ रही है।

आपके विचार, सुझाव और सहभागिता हमारे लिए मूल्यवान हैं। हमें विश्वास है कि यह पत्रिका आपके लिए जानकारीपूर्ण, प्रेरणादायक और आत्मीय अनुभव से भरपूर होगी। आपके सहयोग और आशीर्वाद के लिए पुनः धन्यवाद |

निर्मल सराफ
प्रधान सचिव
महाराजा अग्रसेन धाम

TRUST BOARD MEMBERS



Shri Om Jalan
Chairman



Shri Shyam Sundar Agarwal
Treasurer



Shri Nirmal Saraf
Secretary



Shri Murari Lal Diwan
Vice Chairman



Shri Bhagwan Das Agarwal
Joint Treasurer



Shri Deepak Kumar Agarwal
Joint Secretary



Shri Dinesh Adukia
Vice Chairman



Shri Anil Kedia
Joint Treasurer



Shri Ashok Kumar Churiwala
Joint Secretary

सफलता तब साथ चलती है, जब हम भी साथ चलते हैं।

LADIES WING



Smt. Suman Jalan
President



Smt. Nirmala Agarwal
Treasurer



Smt. Sarita Saraf
Secretary



Smt. Sunita Adukia
Vice President



Smt. Mamta Kedia
Joint Treasurer



Smt. Prem Keyal
Joint Secretary



Smt. Swati Agarwal
Vice President



Smt. Sulekha Bagaria
Joint Treasurer



Smt. Bina Churiwala
Joint Secretary



Smt. Babita Diwan
Joint Secretary

महाराजा अग्रसेन धाम

(पंचांग : अप्रैल २०२५ - मार्च २०२६)

अप्रैल

- श्री पुष्कर लाल केडिया जी की श्रद्धांजलि (मंगलवार, 29 अप्रैल 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

जून

- अग्रसेन मेधा सम्मान (रविवार, 22 जून 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

जुलाई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

अगस्त

- रुद्राभिषेक (रविवार, 03 अगस्त 2025)
- स्वतंत्रता दिवस (शुक्रवार, 15 अगस्त 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

सितंबर

- अग्रसेन जयंती (शनिवार, रविवार, सोमवार, 20, 21, 22 सितंबर 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

अक्टूबर

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

नवंबर

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

दिसंबर

- पिकनिक (रविवार, 21 दिसंबर 2025)
- अग्र गौरव सम्मान
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

जनवरी

- गणतंत्र दिवस (सोमवार, 26 जनवरी 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

फरवरी

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मार्च

- होली समारोह (रविवार, 1 मार्च 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
- 3 नेत्र ऑपरेशन
- 1 कृत्रिम अंग शिविर

मेगा मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप

समय का सही उपयोग करने वाला ही सच्चा विजेता होता है।

महाराजा अग्रसेन धाम (Ladies Wing)

(पंचांग : अप्रैल २०२५ - मार्च २०२६)

अप्रैल

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
(द एटमॉस्फियर – 27 अप्रैल 2025)

मई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
(स्वस्तिक अपार्टमेंट – 18 मई 2025)

जून

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ
(मणिकला अपार्टमेंट - 14 जून 2025)

जुलाई

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ- (05 जुलाई 2025 - साल्टलेक)
- सुरंगो सावन (सावन और तीज उत्सव) 23 जुलाई 2025

अगस्त

- रुद्राभिषेक (रविवार, 03 अगस्त 2025)
- स्वतंत्रता दिवस (शुक्रवार, 15 अगस्त 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

सितंबर

- अग्रसेन जयंती (शनिवार, रविवार, सोमवार, 20, 21, 22 सितंबर 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ - (30 अगस्त 2025 - अवनि ऑक्सफ़ोर्ड)

अक्टूबर

- डांडिया उत्सव (02/06 अक्टूबर 2025)
- दीपावली मिलन समारोह (शनिवार, 25 अक्टूबर 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

नवंबर

- एग्जीबिशन-Exhibition (रविवार, 16 नवंबर 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

दिसंबर

- पिकनिक (रविवार, 21 दिसंबर 2025)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

जनवरी

- गणतंत्र दिवस (सोमवार, 26 जनवरी 2026)
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

फरवरी

- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

मार्च

- होली समारोह (रविवार, 1 मार्च 2026)
- गणगौर उत्सव
- 1 लक्ष्मी मंगल पाठ

जब माँ महालक्ष्मी ने कहा – “अग्रवंश की रक्षा मैं करूँगी”

भगवान श्रीराम के वंशज, सूर्यवंशी कुल में, लगभग 5300 वर्ष पूर्व अश्विन शुक्ल पक्ष की एकम के पावन तिथि पर, प्रतापनगर के महाराजा वल्लभ के महल में उत्सव का वातावरण था। राजमहल दीपमालाओं से सजा था, शंखध्वनि गूँज रही थी, क्योंकि राज्य को उसका प्रथम राजकुमार प्राप्त हुआ था। ज्योतिषियों ने उस क्षण को अलौकिक बताते हुए कहा—**“यह बालक युगों तक अपने धर्म, करुणा और न्यायप्रियता के लिए अमर रहेगा।”** उस बालक का नाम रखा गया अग्रसेन।

अग्रसेन जी बचपन से ही विशेष थे। खेलों में भी वे अन्य बच्चों की तरह पराजित करने में नहीं, बल्कि सबको साथ लेने में आनंद पाते थे। उनके हृदय में करुणा और न्याय की अद्भुत भावना थी। जब वे युवावस्था में पहुँचे, तो उनकी ख्याति चारों दिशाओं में फैल चुकी थी।

इसी समय नागवंश की राजकुमारी माधवी के स्वयंवर की घोषणा हुई। स्वयंवर में देवता, राजा और योद्धा सभी उपस्थित थे। सभा में देवराज इन्द्र भी आए थे। माधवी जब स्वर्णमंडप में प्रवेश करती हैं, तो सबकी दृष्टि उन्हीं पर ठहर जाती है। परंतु जब उनके हाथ में विजयमाला आई, उन्होंने बिना किसी संकोच के अग्रसेन को वरण कर लिया।



इन्द्र की आँखों में क्रोध की ज्वाला भड़क उठी। वे माधवी के सौंदर्य से मोहित हो चुके थे और यह अपमान सह न सके। उन्होंने प्रतिज्ञा की—“अग्रसेन, तुम्हारे राज्य में अब वर्षा की एक बूँद भी नहीं गिरेगी!” देखते ही देखते प्रतापनगर सूखता गया, खेत बंजर हो गए, और प्रजा भूख-प्यास से तड़पने लगी।

अग्रसेन ने अपने पिता और दरबारियों से कहा —**“यदि धर्म के मार्ग पर हमें देवताओं से भी युद्ध करना पड़े, तो हम पीछे नहीं हटेंगे। प्रजा का कल्याण ही सच्चा धर्म है।”** और उन्होंने इन्द्र के विरुद्ध रणभूमि में डंका बजा दिया। भीषण युद्ध हुआ, देवताओं और असुरों तक ने यह अद्भुत संग्राम देखा। अंततः धर्म की विजय हुई और इन्द्र परास्त होकर नारद मुनि के पास पहुँचे। नारद ने समझाया —“हे इन्द्र, अग्रसेन धर्मात्मा हैं। वे देवताओं के शत्रु नहीं, अपनी प्रजा के रक्षक हैं।” अपमानित इन्द्र ने अग्रसेन की धर्मनिष्ठा स्वीकार की और प्रतापनगर में वर्षा लौट आई।

युद्ध समाप्त हुआ, परंतु अग्रसेन का मन व्याकुल था। उन्हें लगा कि राज्य और प्रजा के लिए अब एक नई राह चाहिए। वे वन चले गए और घोर तपस्या करने लगे। वर्षों की तपस्या के बाद भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने कहा—**“अग्रसेन, तुम्हारा हृदय करुणा और सेवा से भरा है। परंतु यह मार्ग और आगे ले जाएगा। देवी महालक्ष्मी की साधना करो, वे तुम्हें नई दिशा देंगी।”**

अग्रसेन ने कठोर तप किया और एक दिन दिव्य प्रकाश के बीच माँ लक्ष्मी प्रकट हुईं। उनके स्वर से पूरा वन गूंज उठा—"हे अग्रसेन, तुमने धर्म और करुणा का मार्ग चुना है। अब क्षत्रिय धर्म त्यागकर वैश्यों के आचरण को अपनाओ। व्यापारी बनकर एक ऐसा समाज बसाओ जहाँ हिंसा नहीं, अहिंसा हो; जहाँ लोभ नहीं, सहयोग हो। मैं तुम्हारी कुलदेवी बनकर तुम्हारे वंश में सदा निवास करूँगी। तुम्हारा समाज धन और ज्ञान से सम्पन्न होगा, क्योंकि वह परोपकार के मार्ग पर चलेगा।"

माँ लक्ष्मी के वचनों ने अग्रसेन को नई दृष्टि दी। वे लौटे और एक नगर की स्थापना की—अग्रोहा। यहाँ उन्होंने एक अद्भुत नियम बनाया—"जब कोई नया परिवार नगर में बसेगा, तो प्रत्येक परिवार एक ईंट और एक रुपया देगा।" यह नियम केवल सहयोग नहीं, बल्कि समाज की आत्मा बन गया।

कुछ समय बाद, एक यज्ञ के अवसर पर उन्होंने देखा कि बलि के लिए एक घोड़े को खींचा जा रहा है। घोड़े की आँखों में भय देखकर उनका हृदय द्रवित हो गया। उन्होंने उसी क्षण घोषणा की—**"अब मेरे राज्य में कोई पशु-बलि नहीं होगी। समृद्धि कभी भी हिंसा के मार्ग से नहीं लाई जा सकती।"** अग्रसेन ने अहिंसा को जीवन का आधार बना दिया।

कालांतर में उन्होंने अपने अठारह पुत्रों के बीच राज्य का विभाजन किया और प्रत्येक के गुरु के नाम पर एक गोत्र की स्थापना की । यही अठारह गोत्र आज अग्रवाल समाज की पहचान हैं।

आज भी जब दीपावली पर घर-घर दीपक जलते हैं, तो हर अग्रवंशी उस कथा को याद करता है—एक धर्मनिष्ठ राजा जिसने देवताओं से युद्ध किया, माँ लक्ष्मी का आशीर्वाद पाया, अहिंसा और सहयोग को जीवन का नियम बनाया, और एक ऐसा समाज रचा जो दानशीलता और व्यापार-कुशलता से पूरे विश्व में प्रसिद्ध हुआ।



महालक्ष्मी मंगल पाठ – 05 जुलाई 2025 -साल्टलेक



5 जुलाई को सॉल्टलेक में लक्ष्मी मंगल पाठ का आयोजन अत्यंत भक्तिमय और सफल रहा। समस्त सदस्यों की उपस्थिति और सहभागिता ने इस कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया। यह आयोजन सभी के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, शांति और सामूहिक एकता का सुंदर अनुभव बन गया।

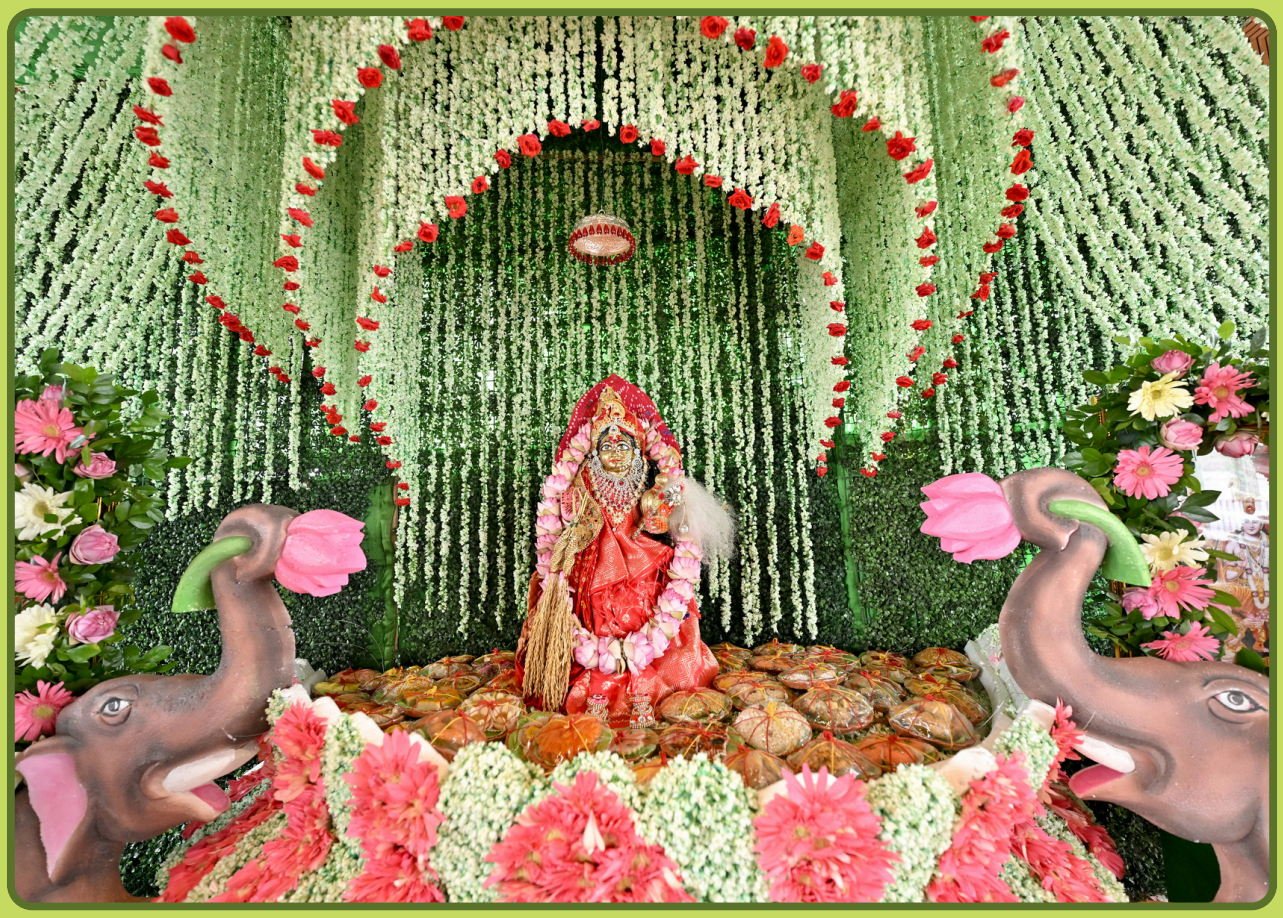









सुरंगो सावन 2025: महाराजा अग्रसेन धाम महिला समिति का पहला सिंधारा एवं तीज उत्सव (23 July, 2025)

जुलाई माह की रिमझिम फुहारों के बीच महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति) ने 4A शॉर्ट स्ट्रीट स्थित गणपति बैंक्वेट में अपने पहले भव्य सिंधारा एवं तीज उत्सव—"सुरंगो सावन"—का आयोजन किया। पारंपरिक लहरियों, रंगीन परिधानों और तीज की उमंग से भरा यह समारोह महिलाओं के उल्लास, संस्कृति और एकजुटता का सुंदर उदाहरण बन गया।



शुभारंभ: परंपरा का प्रकाश

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक अंदाज़ में दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ हुई। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ समारोह को आरंभ किया। भजन गायिका **"कविता अग्रवाल"** की मधुर रचनाओं और राजस्थानी लोकगीतों ने पूरे वातावरण को तीज के रंगों से सराबोर कर दिया।





सजावट, सिंधारा और तीज की रौनक

सिंदूर, मेहंदी, चूड़ियाँ, पारंपरिक साड़ियाँ और लहरियों से सजी महिलाएँ उत्सव की सबसे सुंदर झलक थीं। यह महिला समिति का पहला सिंधारा कार्यक्रम था—जहाँ हर किसी ने तीज की परंपरा, उपहारों और मिलनसार वातावरण का खूब आनंद लिया।

विशेष अतिथि **"रुचिका गुप्ता"** की उपस्थिति ने कार्यक्रम का आकर्षण बढ़ाया, जिन्हें मंत्री सरिता सराफ ने दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।



मनोरंजन से भरपूर शाम

तीज और सावन की मस्ती को बढ़ाते हुए विभिन्न खेलों ने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी।

- **हाऊजी**
- **नेम बिंगो**
- **रिश्ता क्या कहलाता है**
- **सास की सजावट**

इन सभी ने दर्शकों और प्रतिभागियों का खूब मन जीता।



हाऊजी विजेता:

- पहला पुरस्कार: सीमा अग्रवाल (₹2500)
- दूसरा पुरस्कार: किरण अग्रवाल (₹2000)
- तीसरा पुरस्कार: ₹500





कम समय, बड़ा आयोजन – महिला शक्ति का प्रमाण

अध्यक्ष सुमन जालान जी ने बताया कि मात्र 8–10 दिनों की तैयारी में इतने बड़े स्तर का आयोजन करना चुनौतीपूर्ण था, परंतु पूरी टीम ने मिलकर इसे यादगार बना दिया।

मंत्री सरिता सराफ जी ने कहा कि कार्यक्रम केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि इसमें सावन और तीज की धार्मिक-सांस्कृतिक आत्मा भी समाहित थी।

कार्यक्रम का संचालन यामी लखोटिया ने ऊर्जा और मुस्कान के साथ संभाला। उनके अनुसार, **"महिलाओं का उत्साह पूरे आयोजन की ख़ास पहचान था—सबने खेलों और नृत्य में बढ़-चढ़कर भाग लिया।"**

संयुक्त मंत्री प्रेम क्याल जी और मंत्री निर्मल सराफ जी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिला समिति की वार्षिक गतिविधियों की शुरुआत का संकेत है, और इसी अवसर पर 12 महीने का कार्यक्रम-कैलेंडर भी तैयार किया गया।

ममता केडिया जी ने कहा कि पहला सिंधारा कार्यक्रम होते हुए भी सहभागिता और उत्साह बेहद प्रेरक था, और आगे इससे भी बड़े स्तर पर ऐसे आयोजन किए जाएंगे।

रुचिका गुप्ता जी ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा—**"यहाँ की महिलाएँ इतनी खूबसूरत और सजीधजी हैं कि इन्हें काला टीका लगाना चाहिए!"**







महा रुद्र अभिषेक - 03 अगस्त 2025

सावन के पवित्र महीने में, बगनान स्थित महाराजा अग्रसेन धाम के प्रांगण में दिनांक 3 अगस्त 2025 को श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर धाम के 21 ट्रस्टीज यजमान के रूप में उपस्थित रहे और विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया।

पूजन श्री अशोक जी शास्त्री के सान्निध्य में 21 विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और शिव स्तुति के साथ सम्पन्न हुआ। मंत्रों की पवित्र ध्वनि, घंटे-घड़ियाल की गूंज और वातावरण में गूंजते “ॐ नमः शिवाय” के जयकारों ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

धाम के अन्य ट्रस्टीज, एवं परिजनों ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और महादेव से आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से रुद्राभिषेक में भाग लिया और रुद्र स्वरूप भोलेनाथ का स्मरण किया।

अंत में सभी श्रद्धालुओं ने फलाहार और प्रसाद ग्रहण किया। यह आयोजन न केवल भक्ति और आस्था का अद्वितीय संगम रहा, बल्कि उपस्थित जनों के लिए आध्यात्मिक शांति और आनंद का अविस्मरणीय अनुभव भी रहा ।











स्वतंत्रता दिवस - 15 अगस्त 2025- महाराजा अग्रसैन धाम











महालक्ष्मी मंगल पाठ – 30 अगस्त 2025 -अवनि ऑक्सफ़ोर्ड

30 अगस्त 2025 को अग्रकुल देवी महालक्ष्मी जी का मंगल पाठ भव्य रूप से अवनि ऑक्सफ़ोर्ड में संपन्न हुआ। अवनि ऑक्सफ़ोर्ड का पूरा परिवार बहुत मान से सहभागी बने, इस आयोजन में भी उन सभी का बहुत बड़ा योगदान रहा। सभी भक्तजन बहुत आनंद के लिए |





























“सुनहरी चुनरी का संकल्प”

राजस्थान के एक छोटे से कस्बे, फतेहपुर शेखावटी में एक मारवाड़ी परिवार रहता था—सेठ गिरधारीलाल का परिवार। परिवार समृद्ध था, पर उससे भी अधिक समृद्ध थी उनकी परंपराएँ, संस्कार और भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा।

उनकी एक ही बेटी थी—रूक्मणी, बेहद संस्कारी, शांत और परम श्रद्धालु। बचपन से ही उसके मन में एक बात बैठी हुई थी— “परिवार का सम्मान, सेवा और भगवान की भक्ति— यही सच्ची समृद्धि है।”

चुनरी का व्रत- हर साल सावन में रूक्मणी अपनी दादी को नज़र भारी चुनरी चढ़ाते हुए देखती—
“ये चुनरी सिर्फ कपड़ा नहीं, घर की रक्षा का संकल्प है,” दादी कहतीं।
रूक्मणी भी एक दिन इच्छा जताती है कि वह खुद भगवान खाटूश्याम को चुनरी चढ़ाएगी।
पर दादी मुस्कुराकर कहतीं—**“बेटी, चुनरी चढ़ाने से ज़्यादा जरूरी है उसे संभालना का संकल्प।”**

परीक्षा का समय
एक साल परिवार पर मुसीबत आई—व्यापार में भारी घाटा, घर में तनाव, रिश्तों में दूरी, और चारों ओर चिंता। सब कहते—**“इस समय क्या चुनरी, क्या पूजा? पहले घर संभालो।”** पर रूक्मणी को दादी के शब्द याद आते हैं—**“भक्ति तब असली होती है जब मन डगमगाए।”** वह संकल्प लेती है कि चाहे जो हो जाए, वह अपने घर की समृद्धि के लिए 11 दिन का मन-प्रणाम व्रत करेगी — सुबह भगवान श्याम, शाम को अग्रसेन महाराज की आरती।



समर्पण की शक्ति
रूक्मणी हर दिन घर के मंदिर में बैठकर कहती— “हे प्रभु,
मैं हार नहीं मानूँगी। आपसे शक्ति मिले, बस यही प्रार्थना है।”

धीरे-धीरे घर का माहौल बदलने लगा—

- पिता में आत्मविश्वास लौटा
- व्यापार में नई डीलें मिली
- माँ का स्वास्थ्य सुधरा
- परिवार फिर से साथ बैठकर भोजन करने लगा

सब लोग कहने लगे—“लगता है रूक्मणी के व्रत से घर में फिर से बरकत आ गई है।”
पर रूक्मणी हर बार कहती—“बरकत चुनरी से नहीं… विश्वास से आती है।”

समृद्धि का राज़-व्रत के अंतिम दिन रूक्मणी खाटूश्याम के मंदिर पहुँची।
वह चुनरी चढ़ाकर बोली—**“प्रभु, मैंने सिर्फ धन नहीं माँगा— मैंने साहस, धैर्य और सद्बुद्धि माँगी है।”**

कहानी का संदेश- मारवाड़ी संस्कृति की असली समृद्धि दान, धर्म, संस्कृति और दृढ़ विश्वास में है। जब मुश्किलें आएं, तो भक्ति और संयम ही घर की ढाल बनते हैं। चुनरी का संकल्प कपड़ा नहीं, ‘आस्था की शक्ति’ है।

महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव - 20 सितंबर 2025 - सेवा का महाकुंभ अग्रसेन धाम परिसर में

20 सितंबर 2025 को महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव के पावन अवसर पर महाराजा अग्रसेन धाम परिसर में सेवा का एक भव्य और प्रेरणादायी महाकुंभ आयोजित किया गया। पूरे परिसर में सेवा, करुणा और समर्पण की ऊर्जा प्रवाहित हो रही थी, जहाँ विभिन्न सामाजिक सेवाओं के माध्यम से लगभग 1500 से अधिक लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित नि:शुल्क सेवाएँ प्रदान की गईं—

- स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सहित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर
- विशेष रूप से महिलाओं के लिए साड़ी वितरण
- जरूरतमंदों हेतु भोजन वितरण
- दिव्यांगजनों को सहायक बनाने के उद्देश्य से कृत्रिम अंग वितरण

इसके साथ ही आमजन के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु आरओ जल संयंत्र का उद्घाटन भी किया गया, जिसने इस आयोजन को और अधिक सार्थक बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ **माननीय विधायक अरुणाभ सेन (राजा दा)** द्वारा किया गया। अपने व्यस्त समय से इस सामाजिक पहल को समर्थन देते हुए उन्होंने आरओ जल संयंत्र का उद्घाटन किया और समाजसेवा की इस भावना की सराहना की।

कार्यक्रम में उपस्थित श्री सुशांत भट्टाचार्य (IRAS, रिटायर्ड) ने UPSC और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उनके प्रेरणादायी वक्तव्य ने युवाओं के भीतर नई ऊर्जा और दिशा का संचार किया | इस महान सेवा-उत्सव की सफलता में समाज के कई सम्मानित सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे: श्री ओम जालान (अध्यक्ष), श्री निर्मल साराफ (महा मंत्री), श्री बी.डी. अग्रवाल, श्री अनिल केडिया, श्री सुशील हीरावत, श्री अशोक चुरिवाला, श्री एन.के. अग्रवाल, श्रीमती सुधा अग्रवाल, श्री अनिल सरईवाला, श्री सुशील मित्तल, श्री संजय संथालिया, श्री गोपाल केडिया, श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, श्री आशीष लडिया, श्री गोपाल भलोटिया, श्री एस.के. तुलस्यान, श्री मनोज बंका, श्री सुनील खेतान। इन सभी के समर्पणपूर्ण सहयोग से यह आयोजन सेवा का एक अद्वितीय उदाहरण बन सका।












महाराजा अग्रसेन धाम
सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल
भगवान अग्रसेन जन्म महोत्सव
प्रेरणास्रोत्र: कर्मयोगी स्व. पुष्करलाल जी केडिया
साड़ी वितरण
20 सितम्बर 2025 | प्रातः 11 बजे से | धाम परिसर, घोड़ाघाटा, बगनान












মহারাজা অগ্রসেন ধাম
ঘোড়াঘাটা (বৃন্দাবনপুর) • বাগনান • হাওড়া
বিশুদ্ধ জল পরিষেবা

महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव - 22 सितंबर 2025

महाराजा अग्रसेन जन्ममहोत्सव के उपलक्ष्य में 22 सितंबर की शाम धाम के रजिस्टर्ड ऑफिस में एक गरिमामयी और भावनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सायं 5 बजे आरंभ हुए इस समारोह में 50 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा और भव्यता को और बढ़ा दिया।
महिला समिति की सक्रिय एवं उत्साही भागीदारी ने समूचे वातावरण में सौम्यता और सांस्कृतिक गरिमा का अद्भुत संचार किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान अग्रसेन जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पण के साथ हुई। सभी सदस्यों ने समर्पित भाव से महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों—समरसता, सेवा, उदारता और न्याय—को नमन किया।
पूरे वातावरण में भक्ति, कृतज्ञता और आध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति स्पष्ट थी।

सदस्यों ने धाम द्वारा समाजहित में किये जा रहे सतत प्रयासों की सराहना की और भविष्य में सेवा की इसी परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस विशेष अवसर पर धाम द्वारा तैयार की गई **UPSC Academy** का शुभारंभ भी किया गया, जो युवाओं को उच्चस्तरीय शिक्षा, मार्गदर्शन और करियर-विकास के अवसर प्रदान करेगी।
“गठबंधन: अग्रवाल समाज का अपना Matrimony Platform” का भी इसी दिन शुभारंभ किया गया।





22 सितम्बर को महाराजा अग्रसेन धाम के कार्यालय में, भगवान अग्रसेन जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर समाज की द्वितीय पत्रिका **'अग्रकिरण'** का भव्य लॉन्च किया गया। यह पत्रिका समाज की गतिविधियों, सेवाभाव, संस्कृति और प्रगति को एक सशक्त मंच प्रदान करती है







वार्षिक साधारण सभा (AGM) - 27 सितंबर 2025, पंजीकृत कार्यालय (ओम टॉवर, 32 चौरंगी रोड)

महाराजा अग्रसेन धाम की ट्रस्टीयों की वार्षिक साधारण सभा (AGM) दिनांक शनिवार, 27 सितम्बर 2025 को धाम के पंजीकृत कार्यालय (ओम टॉवर, 32 चौरंगी रोड) में धाम के अध्यक्ष श्री ओम जालान की अध्यक्षता में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।

सभा में वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिटेड रिपोर्ट धाम के सह-कोषाध्यक्ष श्री अनिल केडिया द्वारा सभी ट्रस्टीयों के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी ट्रस्टीयों की सर्वसम्मति से पारित किया गया।

धाम के मंत्री श्री निर्मल सराफ ने सभा में उपस्थित सभी ट्रस्टीयों को वर्ष 2024-25 की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी तथा वर्तमान वर्ष 2025-26 में हो रही एवं होने वाली सभी योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी भी साझा की।

इस सभा पर धाम की दो नई योजनाओं – **“UPSC अकादमी” एवं “गठबंधन** – अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी” का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात सभी ट्रस्टीयों के समक्ष डायरेक्टरी के कवर पृष्ठ की पहली झलक भी प्रस्तुत की गई।

सभा के अंत में धाम के सह-मंत्री श्री अशोक चुरिवाला ने सभी ट्रस्टीयों का धन्यवाद ज्ञापन दिया | इस सभा में लगभग 50 ट्रस्टी उपस्थित रहे।




महाराजा अग्रसेन धाम
वार्षिक साधारण सभा


साधारण सभा
पंजीकृत कार्याल


सभा



“ महाराजा अग्रसेन धाम UPSC अकादमी “

महाराजा अग्रसेन धाम सदैव समाज उत्थान और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत रहा है। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए हम UPSC Academy की स्थापना कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य है— देश के प्रतिभाशाली एवं परिश्रमी युवाओं को गुणवत्ता-पूर्ण मार्गदर्शन, सही दिशा और श्रेष्ठ संसाधन उपलब्ध कराना, ताकि वे देश की सर्वोच्च सेवाओं में स्थान प्राप्त कर सकें।

यह अकादमी न केवल शैक्षणिक तैयारी पर ध्यान देगी, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, नैतिक मूल्य और सेवा-भावना को भी विकसित करेगी।

हमें विश्वास है कि सही मार्गदर्शन और समर्थ वातावरण पाकर हमारे युवा अपने सपनों को साकार कर राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

हम अग्रवाल समाज के सभी सदस्यों से निवेदन करते हैं कि वे अपने बच्चों को UPSC परीक्षा की तैयारी के लिए प्रेरित करें और उन्हें इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए उत्साह और सहयोग प्रदान करें।

आज हमारे समाज और देश को ऐसे योग्य, ईमानदार और संवेदनशील युवा अधिकारियों की आवश्यकता है जो व्यवस्था में सुधार लाकर, जनता के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें।

लोकसेवा मार्ग कठिन होता है, पर यही मार्ग हमारे युवाओं को वह अधिकार, क्षमता और अवसर देता है जिससे वे समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं।

यदि हमारा समाज संगठित होकर अपने बच्चों को सही वातावरण, मार्गदर्शन और आत्मविश्वास प्रदान करे, तो निस्संदेह हमारे युवा देश की सर्वोच्च सेवाओं में स्थान पाकर अग्रवाल समाज का मान बढ़ाएँगे और समाज के लिए नया और उज्ज्वल अध्याय रचेंगे।

आइए, हम सब अपने बच्चों में यह भावना जगाएँ कि—
“UPSC परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन की शक्ति है।”

MAHARAJA AGRASAIN UPSC ACADEMY

हर Agarwal परिवार का सपना —
बड़ा सोचना, बड़ा करना।

UPSC सिर्फ एक करियर नहीं, यह सम्मान, सुरक्षा और प्रतिष्ठा का मार्ग है।



Admission Open

Kolkata के Agarwal बच्चों के लिए हम लेकर आए हैं—

EXCLUSIVE UPSC MENTORSHIP SYSTEM

जहाँ आपके बेटे/बेटी को मिलेगा

Delhi के Top UPSC Faculty की Direct Guidance

—यहीं Kolkata में।

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा IAS, IPS, या IRS अधिकारी बनकर देश की सेवा करे, तो हम आपकी इस यात्रा में आपके साथ खड़े हैं।

Book a Guided Counselling Session | Call: 82829 64165

Om Tower, 32 Chowringee Road, 2nd Floor, Kolkata- 700071

स्वतंत्रता दिवस - 15 अगस्त 2025- महाराजा अग्रसैन धाम

15 अगस्त को धाम परिसर में हमने गर्व और उत्साह के साथ भारत की आज़ादी का पर्व मनाया। इस पूरे कार्यक्रम की तैयारियों पर महामंत्री श्री निर्मल सराफ जी ने स्वयं गहन ध्यान रखा और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर मनोविकास के बच्चों ने मिलकर अत्यंत हृदयस्पर्शी प्रस्तुति दी। उनकी कला, मासूमियत और उत्साह को देखकर यह गहरी अनुभूति हुई कि जिस सेवा और समर्पण के मार्ग पर धाम निरंतर आगे बढ़ रहा है, वह सचमुच इन विशेष बच्चों के जीवन में बदलाव और उजाला ला रहा है। उनकी चमकती मुस्कानें हमारे प्रयासों की सार्थकता का सबसे सुंदर प्रमाण थीं।











महाराजा अग्रसेन मेडिकल सेंटर

श्री श्याम सुन्दर जी अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह अस्पताल
जनसाधारण को निःशुल्क सेवा प्रदान कर रहा है।

हमारी सेवाएँ

- ओपीडी सेवाएँ
- दंत चिकित्सा
- फिजियोथेरेपी
- होम्योपैथिक चिकित्सा
- गाइनाकोलॉजिस्ट परामर्श
- नेत्र जाँच, ऑपरेशन
- चश्मा वितरण
- सम्पूर्ण पैथोलॉजी
- एक्स रे
- ईसीजी जांच

अप्रैल 2022 से अब तक हमारे मेडिकल सेंटर के माध्यम से लगभग 75,000 मरीजों को निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं।
यह सेवा समाज के सभी वर्गों के स्वास्थ्य कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।
हमारे केंद्र में विभिन्न विशेषताओं के डॉक्टर उपलब्ध हैं, और डायग्नोस्टिक एवं पैथोलॉजी विभाग में चिकित्सा परीक्षण भी किए जाते हैं।



सेवा वही सच्ची है, जो बिना अपेक्षा के की जाए।



महाराजा अग्रसेन धाम केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति तक सेवा पहुँचाने की एक जीवंत भावना है।

हमारा मेडिकल सेंटर रोज़ाना यह साबित करता है कि सच्ची सेवा वही है जो सीधे लोगों के जीवन को स्पर्श करे।

धाम में—

- निःशुल्क जाँच
- आँख, दाँत, त्वचा सहित विभिन्न विशिष्ट चिकित्सा सेवाएँ
- मासिक ऑपरेशन कैम्प
- दवाइयाँ एवं परामर्श

जैसी सुविधाओं के माध्यम से हम उन लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचा रहे हैं, जो अक्सर आर्थिक या सामाजिक कारणों से उपचार नहीं करा पाते।

हर मुस्कुराता चेहरा, हर स्वस्थ होता रोगी, हमारे लिए केवल एक उपलब्धि नहीं— यह विश्वास का संकेत है कि सेवा का मार्ग हमेशा सबसे पवित्र होता है।

महाराजा अग्रसेन धाम का लक्ष्य है: **“समाज सशक्त बने, हर व्यक्ति स्वस्थ बने।”**
और इन सेवाओं की झलक आप इन तस्वीरों में देख ही सकते हैं— जहाँ हर फ्रेम में करुणा, समर्पण और मानवता की कहानी छुपी है।






NO EMERGENCY
OFFICE








DOLPHIN





महाराजा अग्रसेन धाम अपनी समाज सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लगातार निःशुल्क नेत्र जाँच एवं नेत्र ऑपरेशन शिविरों का आयोजन करता रहा है। हमारा उद्देश्य है—ज़रूरतमंदों को नई रोशनी प्रदान करना और उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की एक नई किरण जगाना।

इस त्रैमासिक अवधि (जुलाई–सितंबर 2025) में भी धाम द्वारा तीन नेत्र शिविर सफलता पूर्वक आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 100 लाभार्थियों की नेत्र सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इन शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विस्तृत नेत्र परीक्षण, निःशुल्क चश्मों का वितरण और ज़रूरतमंदों के लिए ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई—ताकि हर व्यक्ति साफ दृष्टि के साथ सम्मानजनक जीवन जी सके।

इस श्रेष्ठ कार्य को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी चिकित्सकों, सेवाभावी स्वयंसेवकों, सहयोगियों एवं दानदाताओं का हम हृदय से आभार प्रकट करते हैं। आपकी सहभागिता ही धाम की सेवा-परंपरा को सशक्त बनाती है।













महाराजा अग्रसेन मनोविकास सेवा केंद्र



श्री मुरारीलाल जी दीवान द्वारा निर्मित यह केंद्र मानसिक रूप से पिछड़े बच्चों के उपचार, प्रशिक्षित शिक्षकों की देखरेख में निःशुल्क शिक्षा एवं सेवा प्रदान कर रहा है।

हमारी सेवाएँ

- स्पीच एवं लैंग्वेज थेरेपी
- स्पेशल एजुकेशन प्रोग्राम
- योगा एवं इंटरएक्टिव खेल
- सामाजिक और स्वयं सहायता प्रशिक्षण
- खेल थेरेपी
- वर्ताओ सुधार प्रोग्राम
- साइक्रेटिक असेसमेंट
- क्लिनिकल असेसमेंट
- एजुकेशनल,वोकेशनल एवं प्री वोकेशनल असेसमेंट
- जेनेटिक परीक्षण जटिल समस्याओं के लिए

यह पूरी व्यवस्था मनोविकास केंद्र की देखरेख में चल रही है। **मनोविकास केंद्र,** जो **1974** से स्थापित है**,** इसकी संस्थापक **डॉ. शारदा फतेहपुरिया** हैं।

हमारे केंद्र में प्रतिदिन लगभग 75 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा के साथ-साथ थैरेपी और गायन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रयास विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों को सशक्त बनाने और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित है।

महाराजा अग्रसेन धाम के मनोविकास केंद्र में मानसिक रूप से विशेष बच्चों के लिए सेवा और संवेदना का समर्पित संगम देखने को मिलता है। इस केंद्र में ऐसे बच्चों के लिए निःशुल्क संपूर्ण शारीरिक परीक्षण, नियमित स्वास्थ्य मूल्यांकन, एवं व्यक्तिगत देखरेख की विशेष व्यवस्था की जाती है।

हमारा प्रयास सिर्फ उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, व्यवहार सुधार और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। हर बच्चे की क्षमता को समझते हुए, उसके अनुसार देखभाल की जाती है।

इसके अतिरिक्त, धाम द्वारा प्रत्येक वर्ष 1-2 पुनर्वास शिविरों का आयोजन किया जाता है, जहाँ अनुभवी चिकित्सकों, थैरेपिस्ट्स एवं विशेषज्ञों की टीम बच्चों और उनके परिजनों को उचित मार्गदर्शन, परामर्श और उपचार सेवाएँ प्रदान करती है।

मनोविकास केंद्र सिर्फ चिकित्सा का केंद्र नहीं, बल्कि एक ऐसा स्थान है जहाँ विशेष बच्चे स्नेह, सहारा और समर्पण के साथ एक नए जीवन की ओर अग्रसर होते हैं। इस तिमाही की सबसे उल्लेखनीय पहल के रूप में, **महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा 14 वर्ष और उससे अधिक आयु** के विशेष बच्चों के लिए **व्यावसायिक प्रशिक्षण (Vocational Training)** की शुरुआत मनोविकास केंद्र में की जा रही है।



हर दिन एक नई शुरुआत है—बस विश्वास और प्रयास ज़रूरी है।







हौसला हो तो हर मुश्किल रास्ता भी मंज़िल तक ले जाता है।

महाराजा अग्रसेन दिव्यांग सेवा केंद्र

श्री दीपक जी अग्रवाल द्वारा निर्मित, यह केंद्र दिव्यांग जनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग (हाथ व पैर) प्रदान कर रहा है।

हमारी सेवाएँ

- घुटनों का उपचार
- कृत्रिम अंग हाथ एवं पैर
- व्हीलचेयर
- कैलिपर (कृत्रिम सहायक उपकरण)

इसकी व्यवस्थाएँ **महावीर सेवा सदन** के सानिध्य में होती हैं।
इस नेक कार्य के प्रायोजक **श्री ओम जालान** हैं।

हमारे धाम से अब तक लगभग 2500 मरीजों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं हाथ और पैर प्रदान किए जा चुके हैं। यह सेवा दिव्यांग जनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और आशा लाने के उद्देश्य से निरंतर की जा रही है।



महाराजा अग्रसेन धाम स्थित दिव्यांग सेवा केंद्र ने बीते तीन महीनों में भी अपनी सेवा-प्रतिबद्धता को उसी निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया। दूर-दराज़ से आने वाले ज़रूरतमंद दिव्यांगजन यहाँ निःशुल्क जाँच, परामर्श तथा कृत्रिम अंग (हाथ एवं पैर) प्राप्त कर रहे हैं—ताकि वे स्वावलंबन और सम्मान की ओर निर्णायक कदम बढ़ा सकें।

यह सेवा केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन में नया संबल, नई आशा और नया आत्मविश्वास देने का माध्यम है। धाम परिसर में स्थित कृत्रिम अंग निर्माण इकाई में हमारी विशेषज्ञ तकनीशियनों की टीम तथा अनुभवी चिकित्सक हर अंग को सर्वोत्तम गुणवत्ता, स्थायित्व और आराम के साथ तैयार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि वही है—जब कोई दिव्यांग पहली बार बिना सहारे खड़ा होता है, या गर्व से मुस्कराकर कहता है, "अब मैं खुद चल सकता हूँ!"



चलना फिर से सीखना, मानो ज़िंदगी को दोबारा पा लेना।

महाराजा अग्रसेन वाटिका

श्री निर्मल जी सराफ द्वारा निर्मित, इस उद्यान में पिकनिक एवं सामाजिक कार्यक्रम विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित किए जाते हैं।



The Place for Every Occasion!

महाराजा अग्रसेन धाम के अंतर्गत निर्मित

वाटिका - एक आदर्श पिकनिक स्पॉट

आपके अपने समाज के लिए एक अद्वितीय स्थान है, जहाँ सुविधा, सुकून और सेवा तीनों का मेल है।





विस्तृत हरी-भरी वाटिका
जहाँ बच्चे खेल सकते हैं और बड़े दिल खोलकर आराम कर सकते हैं।



2 विशाल हॉल
बैठकों, आयोजनों और ग्रुप गतिविधियों के लिए।



8 सुसज्जित कमरे
ठहरने और विश्राम के लिए।



सुसज्जित रसोईघर
स्वादिष्ट भोजन की तैयारी के लिए।



टेबल और कुर्सियाँ
आपके आयोजन को और सुविधाजनक बनाने के लिए।

महाराजा अग्रसेन वाटिका – जहाँ प्रकृति, सुविधा और अपनापन सब मिलता है।

हर साल समाज के कई बड़े समूह यहाँ पिकनिक, सांस्कृतिक मिलन और पारिवारिक उत्सव मनाने आते हैं और इसे अविस्मरणीय बनाते हैं।

आइए देखें उन सुनहरी झलकियों को, जब समाज के परिवारों ने अग्रसेन वाटिका में मिलकर पिकनिक का आनंद उठाया। हर साल यहाँ हंसी-खुशी, मेलजोल और मनोरंजन से भरे पलों ने इस जगह को और भी खास बना दिया है।









महाराजा अग्रसेन वाटिका – जहाँ प्रकृति, सुविधा और अपनापन सब मिलता है।

यह सुविधा समाज के लिए न्यूनतम शुल्क पर उपलब्ध है — ताकि हर परिवार इसे आसानी से अपना सके।

MAHARAJA AGRASAIN VATIKA



PICNIC GATHERINGS, CORPORATE MEETING, ANNIVERSARY/BIRTHDAY CELEBRATION

or any other function, Maharaja Agrasain Vatika offers the perfect setting to bring your vision to life.

Our Facilities

- Fully Furnished Kitchen
- Delux Rooms
- Spacious Living Hall
- Greenery Garden Space 20 000 Sq. Ft
- Chairs & Table
- Parking
- Mandap for wedding
- 2000+ People Capacity

✓ Prime Location ✓ Versatile Spaces ✓ Tailored Packages

Visit/book Us! 79801 09085 maharajaagrasain@gmail.com

महाराजा अग्रसेन कौशल विकास केन्द्र

श्री श्याम सुंदर जी धानुका द्वारा निर्मित यह केंद्र 2024 से प्रारंभ हो गया है।



कौशल वही पूँजी है जो हर परिस्थिति में साथ रहती है—जब हुनर निखरता है, तो सफलता स्वयं राह बनाकर आती है।









“एक नज़र हमारे परिसर और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर।”



सीखना समझ देता है, और करना पहचान—यही दो बातें मिलकर जीवन को ऊँचाइयों तक ले जाती हैं।

समाज के युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु **Maharaja Agrasain – Mindmine College of Skill Education (MA–MCSE)** के साथ साझेदारी में



COURSES AVAILABLE:

School of Paramedical Science

- Medical Lab Technology
- X-Ray & Radiology
- Optometry
- OT Technology
- Dialysis Technology
- Physiotherapy
- Patient Care Management

(Assistant Nursing / GDA / Public Health Care)

School of Design Technology

- Fashion Designing
- Jewellery Designing
- Designing with DTP / AutoCAD

School of Management Studies

- Retail Management
- Office & Accounts (Banking) Management
- Travel & Tourism Management
- Logistics & Supply Chain Management
- Hospital Management

School of Professional Studies & IT

- Multimedia & Animation
- Office Automation & Web Designing
- Journalism & Mass Communication
- E-Commerce & Digital Marketing

जो छात्र-छात्राएँ इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेना चाहते हैं या अधिक जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, वे नीचे दिए गए संपर्क माध्यमों से जुड़ सकते हैं। यह सभी के लिए खुला अवसर है।

+91 7980109085 | agrasainmindminecollege@gmail.com

अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर

03 दिसंबर 2022 में भूमि पूजन संपन्न हुआ, निर्माण कार्य प्रारंभ।
इसका निर्माण पूरे समाज के सहयोग से किया जा रहा है।



महालक्ष्मी जी को धन, ऐश्वर्य और समृद्धि की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। इस मंदिर का निर्माण समाज की इस भावना को दर्शाता है कि जब हम सब मिलकर भक्ति और सेवा में योगदान करते हैं, तो आस्था और संस्कार की धारा आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचती है।

यह मंदिर आधुनिक वास्तुकला और पारंपरिक शैली का संगम होगा, जिसमें भक्तजन शांति, सकारात्मक ऊर्जा और दिव्यता का अनुभव करेंगे। यहाँ होने वाले धार्मिक आयोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को और अधिक जोड़ेंगे तथा सामूहिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

हम सभी से निवेदन है कि इस पवित्र निर्माण कार्य में अपनी भागीदारी निभाएँ और इस ऐतिहासिक पहल को सफल बनाने में योगदान करें।

महालक्ष्मी मंदिर केवल ईंट और पत्थरों से नहीं, बल्कि पूरे समाज की श्रद्धा और सहयोग से बनेगा।

महाराजा अग्रसेन वरिष्ठ नागरिक निकेत

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री भगवान दास जी अग्रवाल द्वारा निर्माण कार्य प्रगति पर है।



उम्र भले बढ़ जाए, पर दिल की जरूरतें वही रहती हैं—प्यार, सम्मान और कोई अपना। हम यही घर जैसा सुकून देने की कोशिश करते हैं।

महाराजा अग्रसेन धाम की परियोजनाएं

महाराजा अग्रसेन प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री ओम जी जालान द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।



प्राकृतिक चिकित्सालय — जहाँ प्रकृति के स्पर्श से जागृत होता है आत्म-चिकित्सा का मार्ग और आरंभ होता है एक संतुलित, स्वस्थ जीवन।

महाराजा अग्रसेन विद्यालय

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री दिनेश जी - विवेक जी अडुकिया द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।



विद्यालय वह दीप है, जो ज्ञान के साथ संस्कारों की लौ भी जलाता है, और भविष्य को उजाला देता है।

महाराजा अग्रसेन गोशाला

03 दिसंबर 2022, भूमि पूजन संपन्न, निर्माण कार्य प्रारंभ |
श्री बिनोद जी - श्याम जी अग्रवाल द्वारा निर्माण कराया जा रहा है।



गौ माता प्राणी नही, संसार का प्राण हैं, गौ माता जानवर नही, देश की जान हैं ... जय गौ माता

गोसेवा – करुणा, संस्कृति और कर्तव्य का स्वरूप

गोसेवा हमारे भारतीय संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि ममता, सहनशीलता और जीवनदायिनी शक्ति का प्रतीक मानी जाती है। उसकी सेवा करना अपने आप में धर्म, कर्तव्य और मानवता—तीनों का संगम है।

धाम में की जाने वाली गोसेवा का उद्देश्य केवल गायों की देखभाल भर नहीं है, बल्कि उनके प्रति संरक्षण, सम्मान और संवेदना की भावना को आगे बढ़ाना है। नियमित आहार, उपचार, स्वच्छता और सुरक्षित आश्रय के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी गौमाता स्वस्थ, सुरक्षित और संतुष्ट रहें।

गाय की सेवा करने से न केवल पुण्य की प्राप्ति होती है, बल्कि मन में शांति, करुणा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह सेवा हमें याद दिलाती है कि समाज में दया और संवेदनशीलता ही वास्तविक शक्ति है।

आइए, हम सब मिलकर गोसेवा के इस पावन कार्य को आगे बढ़ाएँ और अपनी परंपरा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों को और मजबूत बनाएं।



गौ सेवा – करुणा, संस्कार और संवेदना का प्रतीक, जो हमें मानवता से जोड़ता है।

महाराजा अग्रसेन हवेली

समस्त **अग्रवाल समाज** द्वारा हवेली का निर्माण कार्य प्रारंभ होने जा रहा है, जो सेवा, संस्कृति और समरसता का प्रतीक बनेगा।





**एक ऐसा स्थान जहाँ अपनापन महसूस होता है,
और हर ठहराव एक मधुर स्मृति बन जाता है।**

महाराजा अग्रसेन विवाह भवन



पवित्र रिश्तों की शुरुआत का आँगन, जहाँ
हर बंधन विश्वास और स्नेह से संवरता है।

।। श्री अग्रसेन जयते ।।

महाराजा अग्रसेन धाम

सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल

Our Key Facilities



मेडिकल सेंटर



मनोविकास सेवा केंद्र



दिव्यांग सेवा केंद्र



वाटिका



कौशल विकास केन्द्र



अग्रकुल देवी महालक्ष्मी मंदिर



वरिष्ठ नागरिक निकेत



प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र



विद्यालय



गोशाला



हवेली



विवाह भवन

Benefits of Life Membership

- Enjoy lifetime benefits and privileges for a one-time contribution.
- Invitations to special events, priority bookings, and recognition in member circles.
- Be part of a mission that creates real impact across healthcare, education, environment, and tradition.
- Networking: Join a respected community of like-minded individuals, professionals, and philanthropists.
- Exclusive Perk: Life members enjoy an additional 10% discount on bookings.

For more details please contact:

Mobile: +91 79801 09085,
E-mail: maharajaagrasain@gmail.com

Or **Scan here** to fill the form

महाराजा अग्रसेन धाम



गठबंधन

अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी

जय अग्रसेन ! जय अग्रवाल!

आज के समय में योग्य वर-वधु के लिए उपयुक्त जीवनसाथी की खोज करना परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण बनता जा रहा है। अलग-अलग स्रोतों में सही जानकारी न मिलना, समय और साधनों की कमी तथा परिवारों के बीच आपसी संवाद का अभाव इस समस्या को और भी बढ़ा देता है।

इसी दिशा में महाराजा अग्रसेन धाम प्रस्तुत कर रहा है – "गठबंधन" – एक विशेष वैवाहिक योजना, जो हमारे समाज के लिए आज की आवश्यकता है।

अग्रसेन समाज मैट्रिमोनी आपके द्वारा दी गई सभी जानकारियाँ पूर्णतः गोपनीय रखी जाएँगी, और केवल छांटे गए व सत्यापित बायोडाटा ही परिवार तक पहुँचाए जाएँगे। लड़के और लड़कियों के बायोडाटा का आदान-प्रदान केवल आवश्यकता और सहमति के आधार पर किया जाएगा तथा प्रत्येक प्रोफ़ाइल को पूर्ण अनुसंधान और जाँच-परख के बाद ही आगे बढ़ाया जाएगा।

हमारा विश्वास है कि इस पहल से समाज में पारदर्शिता, गरिमा और विश्वास के साथ विवाह की सही परंपरा को पुनः स्थापित किया जा सकेगा।



महाराजा अग्रसेन धाम में निर्माण कार्य की झलक



Y angle fixed fencing tar

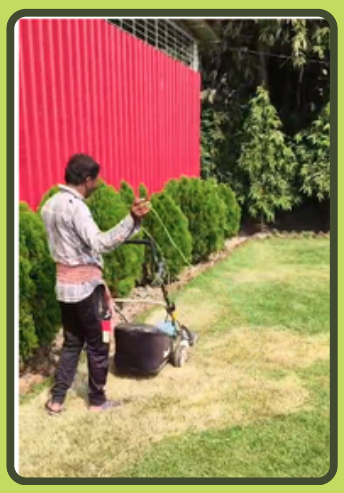

Grass cutting



Public Toilet Construction



Varist Nagrik Niket is coming soon



Boundary wall construction completed

समाचार पत्रों में महाराजा अग्रसेन धाम

अवनी ऑक्सफोर्ड 2 में महालक्ष्मी का आगमन



कोलकाता, 31 अगस्त (नि.प्र.)। श्री महालक्ष्मी पाठ का आयोजन महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति) द्वारा अवनी ऑक्सफोर्ड, लेक टाउन मे बडे ही हर्षोल्लास के साथ किया गया, 108 महिलाओ ने पाठ किया, अध्यक्ष सुमन जालान के अनुसार पाठ वाचिका कविता अग्रवाल ने अपने मधुर स्वर मे मंगल पाठ की। संयोजकगण के रुप मे, आशा अशोक अग्रवाल, रिंकू राजेश भुवानिया, किरण मनोहर अग्रवाल, एकता सौरव झुनझुनवाला, रेखा राजेश अग्रवाल, प्रीति अमित सुरेका, सुनीता अमित केडिया ने बढ चढ के हिस्सा लिया। पाठ को सफल बनाने मे सरिता सराफ, बीणा चूड़ीवाला, सुनीता अडूकिया, स्वाति अग्रवाल ने सराहनीय भूमिका निभाई। महाराजा अग्रसेन धाम के सचिव, निर्मल सराफ, ने संस्था के, बारे मे सेवा प्रकल्प की जानकारी दी।

महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर कई कार्यक्रम



कोलकाता, 18 सितम्बर (नि.प्र.)। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि बागनान स्थित धाम परिसर में शनिवार 20 सितम्बर को मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, साड़ी वितरण एवं अन्नपूर्णा सेवा की जाएगी। आयोजन में बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा का सानिध्य रहेगा। इसी दिन विधायक अरूणाभ सेन के करकमलों से नए आरओ प्लान्ट का उदघाटन भी होगा। सोमवार 22 सितम्बर को कोलकाता स्थित अग्रसेन धाम के पंजीकृत कार्यालय में अग्रसेन जी महाराज का पूजन-अर्चन का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन की सफलता के लिए धाम के समस्त मार्गदर्शक, ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

अग्रवाल समुदाय ने मनायी महाराजा अग्रसेन की जयंती

www.yuvashaktinews.com

बागनान धाम पूरे भारत के लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा : ओम जालान

एक पौराणिक कर्मयोगी थे महाराजा अग्रसेन : निर्मल सराफ







महाराजा अग्रसेन जयन्ती पर सेवा शिविर का आयोजन

कोलकाता, 18 सितम्बर। महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा अग्रसेन जयन्ती पर सेवामूलक आयोजन किए जाएंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए धाम के अध्यक्ष ओम जालान एवं मंत्री निर्मल सराफ ने बताया कि बागनान स्थित धाम परिसर में शनिवार 20 सितम्बर को मेगा स्वास्थ्य परीक्षण, साड़ी वितरण एवं अन्नपूर्णा सेवा की जाएगी। आयोजन में बाल व्यास श्रीकान्त शर्मा का सानिध्य रहेगा। इसी दिन विधायक अरूणाभ सेन के करकमलों से नए आरओ प्लान्ट का उदघाटन भी होगा। सोमवार 22 सितम्बर को कोलकाता स्थित अग्रसेन धाम के पंजीकृत कार्यालय में अग्रसेन जी महाराज का पूजन-अर्चन का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन की सफलता के लिए धाम के समस्त मार्गदर्शक, ट्रस्टी, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सक्रिय हैं।

अग्रसेन धाम ने मनाया अग्रसेन का जन्मोत्सव



कोलकाता। भगवान अग्रसेन की जयन्ती पर महाराजा अग्रसेन धाम मुख्यालय में समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन पूजोपासनी अकादमी का भी विधिवत शुभारम्भ किया गया। प्रारम्भ में आगम देव के चित्र पर माल्यार्पण कर पुजन-अर्चन किया। अग्रसेन धाम के अध्यक्ष ओम जालान ने इस अवसर पर कहा कि शास्त्रीयों एवं पुरानी में अवतरित हुए आग्रसेनजी महाराज के आदर्श एवं सिद्धान आज भी प्रासंगिक है और हमेशा रहेंगे। संस्था के मंत्री निर्मल सराफ ने कहा कि अग्रसेनजी महाराज के एक ईंट और एक रुपए के सहयोग प्रदान करने की भावना आज भी समाज को अनुप्राणित करती है। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन धाम के वैज्ञानिक मुखपत्र के नवीन संस्करण का भी लोकार्पण हुआ। जगन्नाथ सिंघल विद्यालय परिसर में चल रहे सेवा कार्यों को सभी ने सराहना की और कहा कि यह संस्था अपने प्रेरणास्पद स्व. पुष्करलाल केडिया के स्वप्न को साकार करने की दिशा में सतत



अवनी ऑक्सफोर्ड-2 में महालक्ष्मी पाठ

रविवार 31 अगस्त



कोलकाता (सेवा संसार)। महाराजा अग्रसेन धाम (महिला समिति) द्वारा लेक टाऊन स्थित अवनी ऑक्सफोर्ड में श्री महालक्ष्मी पाठ का आयोजित किया गया जिसमें पाठ वाचिका कविता अग्रवाल के साथ 108 महिलाओं ने सामूहिक पाठ किया। अध्यक्ष सुमन जालान ने सबका स्वागत किया। संयोजक आशा-अशोक अग्रवाल, रिंकू-राजेश भुवानिया, किरण-मनोहर अग्रवाल, एकता-सौरव झुनझुनवाला, रेखा-राजेश अग्रवाल, प्रीति-अमित सुरेका, सुनीता-अमित केडिया ने बढ चढ कर हिस्सा लिया। पाठ को सफल बनाने मे सरिता सराफ, बीणा चूड़ीवाला, सुनीता आडूकिया, स्वाति अग्रवाल ने सराहनीय भूमिका निभाई। महाराजा अग्रसेन धाम के सचिव, निर्मल सराफ ने संस्था के सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

अग्रसेन धाम आर्य संस्कृति और महाराजा अग्रसेन की धरोहर का उत्सव मनाता है। अपनी जड़ों को समझकर हम अपनी पहचान और एकता को मजबूत करते हैं।

समाचार पत्रों में महाराजा अग्रसेन धाम



अग्रवाल समुदाय ने मनायी महाराजा अग्रसेन की जयंती

बागनान धाम पूरे भारत के लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा : ओम जालान

एक पौराणिक कर्मयोगी थे महाराजा अग्रसेन : निर्मल सराफ

दैनिक जलते दीप

महाराजा अग्रसेन धाम ने दी स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल को भावभीनी श्रद्धांजलि

धाम की प्रगति के लिए अंतिम सांस तक सक्रिय रहे श्याम बाबू : निर्मल सराफ

युवा शक्ति 8

महाराजा अग्रसेन जयन्ती समारोह

जितो कोलकाता द्वारा सामूहिक क्षमोत्सव समारोह 21 सितम्बर को

कोलकाता

महाराजा अग्रसेन धाम मानव सेवा का महाकुंभ

महाराजा अग्रसेन धाम में लगा सेवा का कुम्भ

स्वास्थ शिविर, साड़ी, कृत्रिम अंग वितरण

अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

छपते छपते समाचार सेवा

महाराजा अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

वर्ष 2024-25 का लेखा-जोखा एवं ऑडिटेड रिपोर्ट पारित

धाम की दो नई योजनाओं का औपचारिक शुभारंभ

महाराजा अग्रसेन धाम द्वारा स्व. श्यामसुन्दर अग्रवाल को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी

अग्रसेन धाम के ट्रस्टियों की वार्षिक आम सभा संपन्न

॥ ॐ ॥

आइए, समाज की सेवा में भागीदार बनें

"हम सबका धाम — हमारा गर्व"

महाराजा अग्रसेन धाम न केवल एक भवन है, बल्कि अग्रवाल समाज की एकता, संस्कृति और सेवा भावना का प्रतीक है। इस धाम के सतत विकास में आपकी भागीदारी—चाहे समय से हो, सेवा से हो या सहयोग से—हमारे भविष्य की नींव को और मजबूत करती है।

- आप आजीवन सदस्य बन सकते हैं
- आप किसी सेवा कार्य में भाग ले सकते हैं
- आप किसी आयोजन या निर्माण कार्य में आर्थिक सहयोग देकर अपना योगदान दे सकते हैं

यह एक अवसर है—समाज से जुड़ने का, योगदान देने का और नई पीढ़ी के लिए मिसाल बनने का।

सभी दानदाता को आयकर अधिनियम की धारा 80G के अंतर्गत छूट उपलब्ध है,
और
CSR के अंतर्गत कंपनियां भी सहयोग कर सकती हैं।

धाम का विकास, आपकी भागीदारी से और भी मजबूत होगा।



महाराजा अग्रसेन धाम में एक भव्य 'अग्रकुल महालक्ष्मी मंदिर' के निर्माण का शुभ कार्य प्रगति पर है। यह मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक गर्व, एकता और श्रद्धा का प्रतीक हैं — हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक आध्यात्मिक धरोहर बनेगा।

हम आपको ससम्मान आमंत्रित करते हैं — इस पुण्य कार्य में अपनी भागीदारी दर्ज कराएं।
आपका सहयोग एक दान नहीं, एक धरोहर है...

अधिक जानकारी हेतु हमसे संपर्क करें:

+91 79801 09085 | maharajaagrasain@gmail.com

"आपकी श्रद्धा – आपकी पहचान – आपकी विरासत"
मिलकर रचें एक गौरवशाली इतिहास।

श्री अग्रसेन जयते

महाराजा अग्रसेन धाम

सेवा, शिक्षा, चिकित्सा व ज्ञान का श्रद्धास्थल

आप सभी से निवेदन है कि महाराजा अग्रसेन धाम के आजीवन सदस्य बनें।
सदस्यता फॉर्म के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन करें और इस पवित्र धाम से जुड़ें।

Maharaja Agrasain Dham

Corresponding Address:
Om Tower, 32, J L Nehru Road, Room No 202, Kolkata-700071
Mobile: +91 79801 09085, **E-mail**: maharajaagrasain@gmail.com

Follow us on :

youtube.com/@maharajaagrasaindham4562

facebook.com/maharajaagrasain

https://www.instagram.com/maharajaagrasaindham/

Website: www.maharajaagrasaindham.com

संपादक और डिज़ाइनर : शिल्पा अग्रवाल

प्रकाशक: श्री निर्मल सराफ (महाराजा अग्रसेन धाम की ओर से) || **मुद्रक:** दर्पण कॉन्क्लेव प्राइवेट लिमिटेड (श्री मुकेश गोयल)